

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग प्रवीण - २

रविवार, ६ जुलाई, २०१४

समय : दोपहर २.०० से ५.००

कुल गुण : १००



अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

❏ परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुकसान मत किजिए ।

❏ अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है ❏

बिना वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।

परीक्षार्थी का जन्म दिन दिनांक महिना वर्ष

परीक्षार्थी का अभ्यास

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरीक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर

❏ पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (९)	
	३ (८)	
	४ (६)	
	५ (५)	
	६ (५)	
	७ (८)	
	८ (६)	

विभाग-१, कुल गुण (५६)

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	९ (९)	
	१० (९)	
	११ (८)	
	१२ (६)	
	१३ (४)	
	१४ (८)	

विभाग-२, कुल गुण (४४)

मोडरेशन विभाग माटे ४

गुण शब्दोंमां

चेकर - नाम

परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ :-

१. आगे के मुख्य पृष्ठ पर परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ बारकोड अंकित किया गया है। कृपया उस पर किसी प्रकार का नुकसान मत किजिए।
२. परीक्षार्थी को स्पष्ट और सुंदर अक्षर से आगे के पन्ने में मांगी हुई विवरण को लिखना अनिवार्य है।
३. आप उत्तर पुस्तिका (जवाबवही) में कही भी, किसी भी जगह पर अपना नाम मत लिखें।
४. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरीक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर करा लें।
५. बिना वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी।
६. प्रश्न के गुण →

गुण : १	
---------	--

 ←

परीक्षक को प्रश्न जाँचकर
गुण लिखने की जगह
७. परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे। पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखि गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी।
८. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे। अस्पष्ट और पढ़ा ना जा सके ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे।
९. परीक्षा खंड के बाहर और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी।
१०. परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'सबस्टीट्यूट राइटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद्द मानी जाएगी। एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद्द मानी जाएगी।
११. मुख्य परीक्षा के दिन उत्तरवही के इलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखें हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे।
१२. परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है।

Important Instructions For Satsang Exam Students

1. Please do not damage in any way the bar code printed on the front page.
2. Please write clearly and legibly.
3. Do not write your name on the answer book.
4. On the day of the Final Satsang Examinations, all examinees should obtain the signature of the class supervisor on the answer sheet bearing their own personal details only.
5. Answer books without the signature of the Class Supervisor will **not** be considered **valid**.
6. Marks for Question →

1 Mark	
--------	--

 ←

Space for Examiner
to write marks
7. Write your answers with either a blue or black pen only. Answers written in pencil, or with a red, green or any other coloured pen will not be considered valid. Answers written in more than one coloured ink will not be considered valid.
8. Follow the instructions while answering. Answers crossed out will not be considered valid. Answers will not be considered valid if it is not written in neat and clean hand writing.
9. Examinations taken at **unauthorized locations** or in which the exam rules have been violated will not be considered valid.
10. Without the prior permission of the Pariksha Karyalay in Ahmedabad, answer papers written by substitute writers in place of the original candidate will not be accepted. Answer papers with more than one type of handwriting will not be accepted.
11. In Main Exam answers written on extra pages will not be considered valid.
12. Candidates will not be allowed to keep any electronic items, such as, mobile phones, tablets, laptops, etc. in the examination room.

विभाग - १ : किशोर सत्संग प्रवीण

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. “हमारे बड़े भाग्य है; जो आज भगवान स्वयं हमारे घर पधारे हैं ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

गुण : ३	
---------	--

२. “क्या साधुओं को तो कोई काम-धंधा नहीं है ? जो कि हर साल चले आते हैं ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

गुण : ३	
---------	--

३. “सूर्यवंशी तो नहीं हुए ?”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

गुण : ३	
---------	--

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक **९** केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. २ निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं तीन के बारे में कारण लिखिए । (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ९)

१. अक्षरब्रह्म चिरंजीव हैं ।

२. बंधिया के वणिकों ने श्रीजीमहाराज की क्षमा माँगी ।

३. भादरा के चार किसान हरिभक्तों को पछतावा हुआ ।

४. बंगाल के महंत स्वयंप्रकाशानंद स्वामी बने ।

()

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३	
---------	--

()

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३	
---------	--

()

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ६ गुण - ५		नाम	प्र - ७ गुण - ८		नाम
----------------------------------	--------------------	--	-----	--------------------	--	-----

प्र. ६ निम्नलिखित वाक्यों में से विषय के अनुरूप केवल पाँच सही वाक्य ढूँढ़कर सिर्फ उसके नंबर लिखें । (कुल गुण : ५)

विषय : महिमा

१. अक्षरधाम के आगे अन्य देवलोकों को नरकतुल्य कहा है । २. उसे किसी के साथ वैर या द्वेष नहीं रहता । ३. सत्संग में संप, सुहृदभाव और एकता का प्रवर्तन होता रहता है । ४. देवलोक से भी अंत्यतः पृथ्वी पर आकर जन्म-मरण के चक्कर में फँसना पड़ता है । ५. महिमा समझनेवाला भक्त कभी धर्ममर्यादा का लोप होने नहीं देता । ६. अक्षरधाम में पहुँचने के बाद पुनः पृथ्वी पर आना नहीं पड़ता । ७. भक्तों को निरंतर स्वयं के दोष ढूँढ़कर उन्हें दूर करने चाहिए । ८. सदा के लिए भगवान के सांनिध्य की प्राप्ति होती है । ९. अपने आपको कृतार्थ और पूर्णकाम समझकर आनंदरस में निमग्न रहता है । १०. आत्यंतिक कल्याण या तो साक्षात् पुरुषोत्तमनारायण के संग द्वारा या परम एकांतिक संत के संग द्वारा ही होता है ।

केवल नंबर -

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक   केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ७ निम्नलिखित पंक्ति को पूर्ण कीजिए । (कुल गुण : ८)

१. पचरंगी पुष्पनां
.....
.....

..... शोभे घणेरों ।

गुण : २	<input type="text"/>
---------	----------------------

२. वहाला तारी मूरति
.....
.....

..... हसीने बोलावता रे लोल ।

गुण : २	<input type="text"/>
---------	----------------------

३. वली तमारे विषे जीवून
.....
.....

..... न भूलीए हरि ।

गुण : २	<input type="text"/>
---------	----------------------

४. जे हरि अक्षरब्रह्म आधार
.....
.....

..... रहो उरमां रमी रे लोल ।

गुण : २	<input type="text"/>
---------	----------------------

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक   केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ८ गुण - ६	नाम	प्र - ९ गुण - ९	नाम
----------------------------------	--------------------	-----	--------------------	-----

प्र. ८ निम्नलिखित जनमंगलस्तोत्रम् / अष्टक / श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । (कुल गुण : ६)

१. जनमंगलस्तोत्रम् : ॐ श्रीसत्यवादिने नमः

.....

..... ॐ श्री सर्वमङ्गलसद्रूपनानागुणविचेष्टिताय नमः ॥

२. दिव्याकृतित्व

.....

..... शरणं प्रपद्ये ॥

३. आसामहो श्रुतिभिर्विमृग्याम् ॥ - श्लोक का हिन्दी में अनुवाद लिखिए ।

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक

 केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

विभाग - २ : गुणातीतानंद स्वामी

प्र. ९ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. “तू कहे तो सारे भादरा गाँव को मैं अक्षरधाम में ले जाऊँ ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

२. “जो स्त्री-पुरुष के भाव से परे थे ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

३. “जीव ब्रह्मरूप क्यों नहीं होता है ?”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक

 केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.१० निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं तीन के बारे में कारण लिखिए । (नौ पंक्ति में) (कुल गुण : ९)

१. स्वामी ने श्रीजीमहाराज की महिमा की बातें करने का निश्चय कर लिया ।
२. श्रीजीमहाराज को शांतानंद को एकबार मिलने में भी कठिन लग रहा ।
३. तरणेतर के महंत को आश्चर्य हुआ ।
४. मुक्तानंद स्वामी गुणातीतानंद स्वामी को खड़े हुए देखकर विस्मित रह गए ।

()

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

	9.4.8	
--	-------	--

()

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३	
---------	--

()

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

[illegible][illegible]

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १३ गुण - ४		नाम	प्र - १४ गुण - ८		नाम
----------------------------------	---------------------	--	-----	---------------------	--	-----

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

भावार्थ :

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक   केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.१४ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें। (कुल गुण : ८)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा।

१. निश्चय कराया।

गुण : २

- (१) ☐ भायात्मानंद स्वामी की उम्र ११६ वर्ष की हुई थी।
- (२) ☐ ऊलटी जमना नहीं बहेगी।
- (३) ☐ महाराज के स्वरूप समझने में कसूर।
- (४) ☐ आचार्य महाराज आत्मानंद स्वामी का प्रसाद लेते थे।

२. प्रिय भक्त को निरामय किया।

गुण : २

- (१) ☐ गुड खूब खिलाया।
- (२) ☐ उड़द की दाल में हलदी तेज़ डलवाई।
- (३) ☐ धनिया की चटनी दी।
- (४) ☐ तीन दिन तक शौच जाते रहे।

३. सोरठ का सत्संग।

गुण : २

- (१) ☐ सिर्फ खिचड़ी ही खाते।
- (२) ☐ बैल को स्वामी की सेवा में समर्पित किया।
- (३) ☐ मैं तो उनका दास हूँ।
- (४) ☐ सत्संगी तो क्या क्या समर्पित नहीं करेंगे।

४. दर्शन की उत्कट इच्छा।

गुण : २

- (१) ☐ नहीं है अपने हाथ-पैर की परवाह।
- (२) ☐ प्रत्यक्ष दर्शन की कितनी तीव्रता है।
- (३) ☐ आरती की झाँकी की इच्छा से खड़ा हूँ।
- (४) ☐ दर्शन की झाँकी की इच्छा से खड़ा हूँ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक   केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें